राजा पृथवीराज चौहान

आक्रांता मोहम्मद गोरी से राजा पृथवीराज चौहान के हारने बाद मुगल शासको की गुलामी की दास्ता में भारतवर्ष जकड गया 1192 ई0 से आ गया ।

बिंदु (Points)	जानकारी (Information)
पूरा नाम (Full Name)	पृथ्वीराज चौहान
जन्मतिथि (Birth Date)	1149 ईस्वी
जन्म स्थान (Birth Place)	अजमेर
प्रसिद्धी कारण	चौहान वंश के राजपूत राजा
पिता का नाम (Father Name)	सोमेश्वर चौहान
माता का नाम (Mother Name)	कमलादेवी
पत्नी का नाम (Wife Name)	संयुक्ता (कन्नौज के राजा जयचंद की बेटी)
धर्म (Religion)	हिंदू धर्म
मृत्यु (Death)	1192 ईस्वी
मृत्यु स्थान (Death Place)	तारोरी

पृथ्वीराज चौहान का जन्म 1149 में अजमेर के राजा और कर्पूरी देवी के पुत्र सोमेश्वर

चौहान के यहाँ अजमेर में हुआ . उनका जन्म हिन्दू राजपूत राजघराने में हुआ था . पृथ्वीराज बचपन से ही बुद्धिमान, बहादुर और साहसी थे .जिसमे तेज सैन्य कौशल के धनी थे । पृथ्वीराज ने युवावस्था के दौरान ही शब्द भेदी बाण कला अर्थात आवाज़ के आधार पर केवल सटीक निशाना लगाना सीख ली थी। उन्होंने अपने साहस से नाना अर्कपाल जिसके बाद उन्होंने .को प्रभावित किया (या तोमर वंश के अनंगपाल तृतीय) पृथ्वीराज को दिल्ली का उत्तराधिकारी नामित किया।

सोमेश्वर चौहान की 1179 में एक लड़ाई में मृत्यु हो गई और जिसके बाद पृथ्वीराज ने राजा के रूप में सफल शासन किया और **अजमेर और दिल्ली** दोनों राजधानियों से शासन किया राजा बनने के बाद उन्होंने अपने .**क्षेत्रों का विस्तार** करने के लिए कई अभियानों पर काम किया उनके शुरुआती अभियान .**राजस्थान के छोटे राज्यों के खिलाफ थे जिन्हें उन्होंने आसानी से जीत लियाफिर उन्होंने खजुराहो और महोबा के . वह चंदेलों को हराने में सफल रहे .चंदेलों के खिलाफ अभियान चलाया।**

1182 में उन्होंने गुजरात के चौलाय्या पर हमला किया । युद्ध सालों तक चला और आखिरकार 1187 में उन्हें चाणक्य शासक भीम द्वितीय ने हराया । उन्होंने दिल्ली और ऊपरी गंगा दोआब पर नियंत्रण के लिए **कन्नौज के गढ़वालों के खिलाफ** एक सैन्य अभियान का नेतृत्व किया । भले ही वह इन अभियानों के माध्यम से अपने क्षेत्रों का विस्तार और बचाव करने में सक्षम थे लेकिन उन्होंने अपने पड़ोसी राज्यों से खुद को राजनीतिक रूप से अलग कर लिया।

शहाबुद्दीन मोहम्मद ग़ोरी ने पूर्वी पंजाब के भटिंडा के किले पर हमला किया, जो 1191 में पृथ्वीराज चौहान के साम्राज्य की सीमा पर था. चौहान ने मदद के लिए कन्नौज से मदद मांगी लेकिन उन्होंने मदद से इनकार कर दिया गया. अघोषित रूप से उन्होंने भटिंडा तक मार्च किया और तराइन में अपने दुश्मन से युद्ध किया और दो सेनाओं के बीच एक भयंकर लड़ाई हुई. इसे तराइन के प्रथम युद्ध के रूप में जाना जाता है ।

पृथ्वीराज ने युद्ध जीत लिया और मुहम्मद गोरी को पकड़ लिया। गोरी ने दया की भीख मांगी और दयालु राजा होने के नाते कि पृथ्वीराज ने उसे रिहा करने का फैसला किया । उनके कई मंत्री दुश्मन को दया देने के फैसले के खिलाफ थे, लेकिन पृथ्वीराज ने सम्मानपूर्वक गोरी को रिहा कर दिया ।

गोरी को रिहा करने का निर्णय एक बड़ी गलती साबित हुआ । गोरी ने अपनी सेना को एक और लड़ाई के लिए तैयार किया. गोरी 1192 ई. में चौहान को चुनौती देने के लिए लौटा, जिसमें 120,000 पुरुषों की सेना थी, जिसे तराइन की दूसरी लड़ाई के रूप में जाना जाता था। पृथ्वीराज की सेना में 3,000 हाथी, 300,000 घुड़सवार और काफी पैदल सेना शामिल थी।

गोरी जानता था कि हिंदू योद्धाओं को ***सूर्योदय से सूर्यास्त*** तक केवल युद्ध करने का रिवाज था । इसलिए उसने अपने सैनिकों को पाँच हिस्सों में बाँट दिया और तड़के सुबह हमला किया जब राजपूत सेना लड़ाई के लिए तैयार नहीं थी । अंततः राजपूत सेना पराजित हो गई और पृथ्वीराज चौहान को ग़ोरी ने बंदी बना लिया ।

पृथ्वीराज चौहान को मुहम्मद गोरी ने तराइन के दूसरे युद्ध में पकड़ लिया और यातनाये दी। इस यातनाओं के कारण पृथ्वीराज चौहान की आखों की रोशनी चली गई। गोरी ने मृत्यु से पहले पृथ्वीराज से उनकी अंतिम इच्छा पूछी गई। पृथ्वीराज चौहान ने कहा की अपने मित्र चंदबरदाई के शब्दो पर शब्दभेदी बाण का उपयोग करना चाहते हैं। इस प्रकार चंदबरदाई ने अपने दोहे के माध्यम से मुहम्मद गोरी की स्थिति और दूरी का वर्णन पृथ्वीराज चौहान को बताया-

"चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमाण। ता उपर सुल्तान है, मत चुको चौहान।।"

जिसके बाद पृथ्वीराज चौहान ने भरी सभा में मुहम्मद गोरी का वध कर दिया। जिसके बाद चंदबरदाई और पृथ्वीराज चौहान ने स्थिति के देखते हुए अपने प्राण भी समाप्त कर लिए। महाराज की मृत्यु की सूचना मिलते ही महारानी संयोगिता और अन्य राजपूत महिलाओं ने अफगान आक्रमणकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने के बजाय अपना जीवन समाप्त कर लिया।

ईस्ट इण्डिया कम्पनी एक निजी व्यापारिक कम्पनी थी, जिसने 1600 ईमें शाही .
अधिकार पत्र द्वारा व्यापार करने का अधिकार प्राप्त कर लिया था।

जब **ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना** हुई थी तब तब भारत का शासक मुग़ल बादशाह अकबर 1556 से 1605 था। उस समय भारत का सामराज्य 7,50,000 वर्ग किलोमीटर उत्तर-पश्चिम से उत्तर अफगानिस्टान व मध्या भरत के दक्कण पॅतःॲॲॠ से उत्तरउत्तर पूर्व में असमिया उच्च भूमि तक फैला हुआ था ।1600 ई0 तक मुगल सामराज्य अपने चर्म पर था । सर जेम्स थामस रो के प्रथम दूत 1615 ई0 मे मुगल सम्राट जहागीर के दरबार मे पहुंचे और सूरत में एक कारखाना स्थापित करने का ब्रिटिश अधिकार प्राप्त कर लिया । अंतिम मुगल शासक बहादुर शाह- २ थे, जिनका जन्म नाम सिराजुद्दीन मुहम्मद बहादुर शाह जफ़र था और २८ सितंबर १८३७ से १४ सितंबर १८५७ तक शासन किया।